© 2018 IJSRSET | Volume 4 | Issue 1 | Print ISSN: 2395-1990 | Online ISSN : 2394-4099

नया मीडिया : एक विमर्श

नागदेव यादव
ग्राम–गहोरा, पोस्ट–बभण्डी,
थाना–पीपरा, जिला–पलामू (झारखण्ड)

समाज में सजग रहकर नागरिकों को उनके अधिकारों और दायित्वों का बोध कराने की कला को पत्रकारिता कहते है। वर्तमान समय में पत्रकारिता सामाजिक स्तर पर लोगों की आवाज देश के सामने पूरी मजबूती से रख रही है। चाहे वह भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारें का आन्दोलन हो या फिर दिल्ली की सड़कों पर लड़कियों की सुरक्षा का मामला हो, मीडिया ने उस पर चर्चा के लिये मंच उपलब्ध कराया। वहीं देश के राजनीतिज्ञों को भी पुनर्विचार करने पर मजबूत कर दिया। असहायों को संबल, पीड़ितों को राहत अज्ञानियों को ज्ञान–ज्योति एवं मदान्ध शासकों को सद्बुद्धि देने वाली प्रभावकारी विधा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज की चेतना समाज की भाषा में प्रतिध्वनित होती है। सांस्कृतिक पुनरुद्धार एवं राष्ट्रीय जागरण में भारत में भाषायी पत्र सदैव तत्पर रहें है।

हिन्दी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रों ने जहाँ जनमानस को स्वस्थ बनाया वहीं भावी पीढ़ी के उन्नयन का मार्गदर्शन भी किया है। पत्रकारिता सत्य की खोज एवं मानवीय मूल्यों के शोध का सतत संघर्ष है। पत्रकारिता कला, साहित्य, धर्म एवं संस्कृति के स्थानांतरण का सशक्त माध्यम है। जिसके द्वारा अतीत के पन्ने पलटने का अवसर प्राप्त होता है।[1] सत्यम् शिवम् सुन्दरम् की शंखध्वनि ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता समाज का अविभाज्य अंग है। इसके द्वारा ही आधुनिक समाज आपने अन्दर सामूहिक जानकारी और दृष्टिकोण का निर्माण करता है और भविष्य का मार्ग निश्चित करता है। यह जनता के विचारों का दर्पण भी है। क्योंकि इसकी भूमिका एकांगी नहीं हैं। यह समाज के विभिन्न विचारों को प्रतिबिंबित करने वाले समाचार प्रकाशित कर जनता के विचारों से सत्ता को भी परिचित कराती है। आज मानव जीवन बहुत जटिल हो गया है। आये दिन कुछ न कुछ ऐसा घटित होता है जो करूण भयावह और हृदय द्रावक होता है। ऐसे समय में मानवीय संबन्धों का सूक्ष्म और सशक्त निरूपण पत्रकारिता करती है तथा घटनाओं के मूल में छिपे कारणों का विश्लेषण समाज के समक्ष रखती है। पत्रकारिता सामाजिक घटनाओं के आंतरिक और बाह्य परिवेश में मानव संबन्धों की सतत क्रियाओं प्रतिक्रियाओं का विश्लेषक है। प्रारम्भिक काल में पत्रकरिता सिर्फ समाचारों का संकलन तथा प्रसारण करती थी, जबकि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाचार–पत्रों में समाचार प्रेषण, मुद्रण, कलात्मक, पृष्ठसज्जा, भाषायी बदलाव और तकनीक के प्रयोग के कारण पत्रकरिता में क्रांतिकारी परिवर्तन हुये हैं।

हमारी पत्रकारिता पर राजनीति बुरी तरह हावी होती जा रही है। दिल्ली का राजनीतिक घटनाचक्र ही समाचारों का केन्द्र बिन्दु बनकर रह गया है। फलतः साहित्यिक सांस्कृतिक समारोहो को स्थान या तो मिल ही नहीं पाता या यदि मिलता भी है तो काफी कम तथा ऐसे स्थानों पर जो समाचार की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण नहीं माने जाते। अतः आवश्यक है कि समय–समय पर आयोजित प्रमुख विचार गोष्ठियों, बौद्धिक चर्चाओं संगीत, नृत्य नाटक आदि गतिविधियों को पत्रकारिता के माध्यम से उचित प्रोत्साहन दिया जाय।

सूचना का संचार जब मुद्रित रूप में होता है तब उसे प्रिन्ट पत्रकारिता कहा जाता है।[2] प्रिंट पत्रकारिता में समाचार–पत्र पत्रिकाएँ पुस्तके, न्यूज लेटर वालन्यूज पेपर और जनसम्पर्क के काम आनेवाली गृह पत्रिकाएँ तथा अन्य मुद्रित प्रचार सामग्री आती है। आज संपूर्ण विश्व के प्रत्येक देश, प्रान्त और क्षेत्र में दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक पत्र–पत्रिकाएँ और दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित हो रहें है तथा प्रतिवर्ष इसकी प्रसार संख्या में वृद्धि भी हो रही है। मुद्रित सामग्री को पाठक अपनी सुविधा के अनुरूप पढ़ सकता है। हर व्यक्ति का अपना मानसिक स्तर होता है। अतएव मुद्रित सामग्री को पाठक अपने मानसिक स्तर के साथ पढ़ने की गति पर अपना नियत्रंण रख सकता है।

सूचना के संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम वेब पत्रकारिता भी है। बेब एक स्थायी माध्यम इसीलिए है क्योंकि वो नष्ट नहीं होता। अगर ठीक से संरक्षित और सुव्यवस्थित रखाजाए या उसकी उपयोगिता तय की जाए तो वेब डेटा को अक्षुण्ण बनाया जा सकता हैं सूचनाएँ चूँकि डिजिटल रूप में है इसलिए बरबाद नहीं हो सकती। कागज नष्ट हो सकता है, वीडियो टेप और ऑडियो टेप नष्ट हो सकते है,लेकिन वेब में डाली गई सूचना अमिट है जब तक कि कोई उसे डिलीट न कर दे यानी मिटा न दे। इस प्रकार यह कहना समीचीन होगा कि 'भविष्य का मीडिया तो बदलेगा ही वेब इस मीडिया के केन्द्र में रहेगा और उन हलचलों का गवाह बनेगा जिसके छिटपुट नजारे इसके बीस वर्ष की युवा उम्र में हम देख चुके है' या देख रहें है।[3]

इनके अलावे संचार का एक और माध्यम है–इलेक्ट्रानिक मीडिया। इसमें रेडियों,टेलीविजन,फिल्म,इंटरनेट फोटोग्राफी इत्यादि आते है। इलेक्ट्रानिक शब्द इलेक्ट्रान से बना है विज्ञान में रूचि रखने वाले। व्यक्ति इससे परिचित है। इलेक्ट्रानिकी के अन्तर्गत इलेक्ट्रान के प्रवाह से संपन्न होने वाली क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। संसार के प्रत्येक क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक खोजो ने आश्चर्यजनक अविष्कार किये है।

'पत्रकारिता आम जनमानस की अभिव्यक्ति की वह जीवन्त विधा है, जिससे समसामयिक सत्य एवं सूचनाएँ प्रकट होती है।[4] समाज में सजग रहकर नागरिकों को उनके अधिकारों और दायित्वों का बोध कराने की कला को पत्रकारिता कहते है। प्रारंभिक काल में पत्रकारिता सिर्फ समाचारों का संकलन तथा प्रसारण करना था जबकि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रेडियो, फोटोग्राफी, टेलीविजन इंटरनेट इत्यादि तकनीक के प्रयोग के कारण पत्रकारिता में क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए है। वर्तमान में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट के माध्य से खबरो को त्वरित गति से दर्शकों तक पहुँचाना पत्रकारिता का प्रमुख लक्ष्य है और साथ ही विज्ञापन प्राप्त करना पत्रकारिता की प्रमुख आवश्यकता बन गये है। पत्रकारिता मानव अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। पत्रकारिता समाज को जागरूक एवं शिक्षित करती है। सूचनाओं का प्रचार प्रसार करना पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य जनता का सही मार्गदर्शन करना है। अपनी बहुमुखी प्रवृत्तियों के कारण पत्रकारिता व्यक्ति और समाज में जीवन क गहराई तक प्रभावित करती है। प्राचीन जीवन की व्याख्या एवं विश्लेषण हम अपने साहित्य एवं इतिहास में पाते हैं, किन्तु वर्तमान जीवन की सुन्दरता एवं कुरूपता का कटु यथार्थ हम सामाजिक पत्रों में ही देख सकते हैं।

सन्दर्भ

1.सिर्फ पत्रकरिता, डॉ. अजय कुमार सिंह पृ011
2.सिर्फ पत्रकारिता, डॉ. अजय कुमार सिंह पृ0144
3. वेब पत्रकारिताः नया मीडिया नये रूझान, शालिनी जोशी और शिवप्रसाद जोशी पृ 37
4.इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता, डॉ. अजय कुमार सिंह पृ0 13